Regarding need for conserving the Bawaris in view to resolve water crisis and protecting cultural heritage

श्रीमती मंजू शर्मा (जयपुर) : माननीय सभापति जी, मैं आपका ध्यान ?विरासत भी, विकास भी? के तहत पुरानी बावड़ियों की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। हमारे देश में ऐसे अनेक प्रदेश हैं, जहाँ पुरानी बावड़ियाँ हैं। आज हम वॉटर हार्वेस्टिंग की बात करते हैं, उस जमाने में बावड़ियों के द्वारा पानी को इकट्ठा किया जाता था। मैं राजस्थान प्रदेश से आती हूँ, जहाँ पानी की समस्या हमेशा रहती है।

आपके माध्यम से, मैं मंत्री जी से आग्रह करती हूँ कि हमारी जो पुरानी बावड़ियाँ हैं, जो राजा-महाराजाओं के जमाने की बनी हैं, उनको संरक्षित करने और उससे जनता को पानी मिले, इसके लिए उनके जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए पैकेज दिया जाए ताकि जनता को समय पर पानी मिल सके और ?विरासत भी, विकास भी? का जो संकल्प लिया गया है, हम उसे भी आगे बढ़ा सकें।

धन्यवाद।